- 'महिला आरक्षण विधेयकपर सर्वसहमती अभियान'
- महिला आरक्षण ३३% से घटाया न जाए |
- महिला आरक्षण कम किये बिना बिल पास करो |

विगत १३ सालोंसे विवादित महिला आरक्षण विधेयक शासनव्दारा संसदमे पेश करनेके प्रयास तारिफ-ए-काबिल हैं | लेकिन विरोधकोंके दबावमें आकर आरक्षण घटानेकी चेष्टा स्त्रियोंकी प्रति विश्वासघात होगा | इस उलझनका एक समाधान व्दिसदस्य चुनावक्षेत्र हो सकता है जिसमें लोकसभाकी सीटे बढाकर स्त्री-पुरूषोंको समान प्रतिनिधीत्व मिले | महिला आरक्षण विधेयक जल्द पारित होनेके लिए भारतीय स्त्री शक्तिव्दारा 'महिला आरक्षण सर्वसहमती अभियानकी' घोषणा भारतीय स्त्री शक्ति अध्यक्ष और अभियान की निमंत्रक डॉ. मेधा नानिवडेकरने आज पत्रकार परिषदमे की | उन्होने कहा "इस प्रस्तावसे पुरूषोंकी सीटे बिना कम किए स्त्रियोंकी सीटे बढाई जा सकती है | क्रमानुसार आरक्षण प्रावधान के तहत विद्यमान पुरूष सांसदोंका अगले तीन चुनावोंमे कमसे कम एक बार लोकसभासे बाहर होना तय है | इस स्थितीमें पुरूष सांसदोंसे महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करने की अपेक्षा रखना अवास्तविक है" |

व्दिसदस्य चुनावक्षेत्रोंके प्रस्तावसे लोकसभामें ५४३ पुरूष और ५४३ स्त्री सांसद आ सकते है | चुनाव क्षेत्रोंकी संख्या बढाऐ बिना या भौगोलिक सीमाएं बिना बदले भी यह संभव है | अनुसूचित जनजातीयोंके १३0 चुनाव क्षेत्रोंसे उन प्रवर्गोके १३0 पुरूष और १३0 स्त्री सांसद चुने जा सकते है | पिछडे वर्ग और अल्पसंख्य महिलाओंके आरक्षण का मसलाभी इससे सुलझाया जा सकता है ये दावा डॉ. मेधा नानिवडेकरने किया |

वर्तमान विधेयकमें अल्पसंख्य और पिछडे वर्गोंकी महिलाओंको आरक्षण देने का प्रावधान करनेसेभी इन वर्गोंको ५0 से ज्यादा सीटे नही मिल सकती | परंतु व्दिसदस्य चुनावक्षेत्रोंके प्रस्तावसे अनुसूचित जनजातिओंके १३0 क्षेत्र छोडकर उर्वरित ४१३ क्षेत्रोंसे कई ज्यादा ओबीसी और अल्पसंख्य महिलाएं चुनाव लड सकेगी |

१९५१ से आज तक साडेतीन गुना बढी हुई आबादी के लिऐ सांसदोकी संख्या दो गुना बढाना बिलकुल जायज है |

इस अभियानके लिऐ राष्ट्रीय समन्वय समितीका गठन किया जा रहा है | "महिला संगठन, निर्वाचित प्रतिनिधी, समूह और व्यक्ति इसमें शामिल होकर इस अभियान की ताकद बढाए" ये आवाहन अभियानकी निमंत्रक डॉ.मेधा नानिवडेकरने किया है | अबतक इस अभियान को भारतीय स्त्री शक्ति और शिवाजी विद्यापीठ स्त्री अभ्यास केंद्र इनके अलावा भारतीय स्त्री शक्ति जागरण (पुणे), साद-संवाद (कोल्हापूर), जागृती महिला मंडळ(लातूर), स्त्री चेतना (केरळ) इन संघटनोंका समर्थन प्राप्त हुआ है ऐसी जानकारी भारतीय स्त्री शक्तिकी महासचिव नयना सहस्रबुध्देने दी | भारतीय स्त्री शक्तिकी संघठनसचिव निर्मला आपटे, मुंबई शाखाध्यक्ष स्नेहा पंडित और सचिव वर्षा तावडे पत्रकार परिषदमें उपस्थित थी |